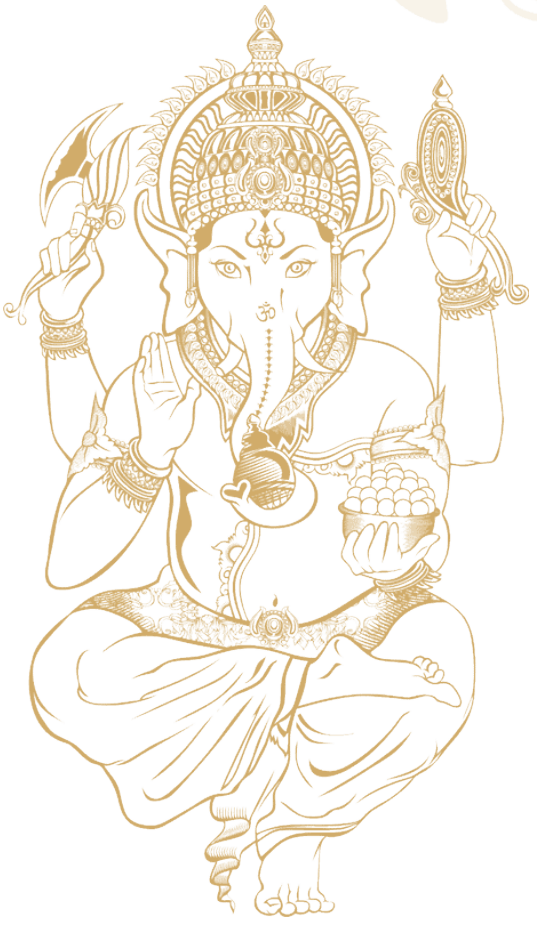

Sachin Raunak

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120882101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120882101 Date: 09/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/01/1997	जन्म तिथि	02/09/2004
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 08:10:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 02:44:56	जन्म समय(घटी)	13:57:21 घटी
India	देश	India
Bhind	स्थान	Bhind
26:33:00 उत्तर	अक्षांश	26:33:00 उत्तर
78:47:00 पूर्व	रेखांश	78:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:52	स्थानिक संस्कार	-00:14:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:01	सूर्योदय	05:55:03
17:48:36	सूर्यास्त	18:33:23
23:48:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:11

मकर	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मिथुन	राशि	मीन
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
आर्द्रा	नक्षत्र	रेवती
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
ऐन्द्र	योग	गण्ड
तैतिल	करण	बव
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	गज
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 14वर्ष 4मा 16दि		25:18:34	मक	लग्न	तुला	29:18:43	बुध 4वर्ष 9मा 7दि	
गुरु		07:17:03	मक	सूर्य	सिंह	16:11:04	शुक्र	
08/06/2011		09:21:01	मिथु	चंद्र	मीन	26:15:28	10/06/2016	
08/06/2027		10:38:42	कन्या	मंगल	सिंह	20:35:19	10/06/2036	
गुरु	26/07/2013	13:03:00	धनु	बुध व	सिंह	01:49:22	शुक्र	11/10/2019
शनि	07/02/2016	06:03:38	मक	गुरु	कन्या	01:09:29	सूर्य	10/10/2020
बुध	15/05/2018	19:48:34	धनु	शुक्र	कर्क	01:06:52	चन्द्र	11/06/2022
केतु	20/04/2019	08:50:19	मीन	शनि	मिथु	29:37:33	मंगल	11/08/2023
शुक्र	19/12/2021	06:52:32	कन्या व	राहु व	मेष	09:26:03	राहु	11/08/2026
सूर्य	08/10/2022	06:52:32	मीन व	केतु व	तुला	09:26:03	गुरु	11/04/2029
चन्द्र	07/02/2024	10:36:25	मक	हर्ष व	कुंभ	10:40:37	शनि	10/06/2032
मंगल	13/01/2025	03:46:08	मक	नेप व	मक	19:22:09	बुध	11/04/2035
राहु	08/06/2027	11:10:11	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:37:31	केतु	10/06/2036

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:55:11

लग्न-चलित

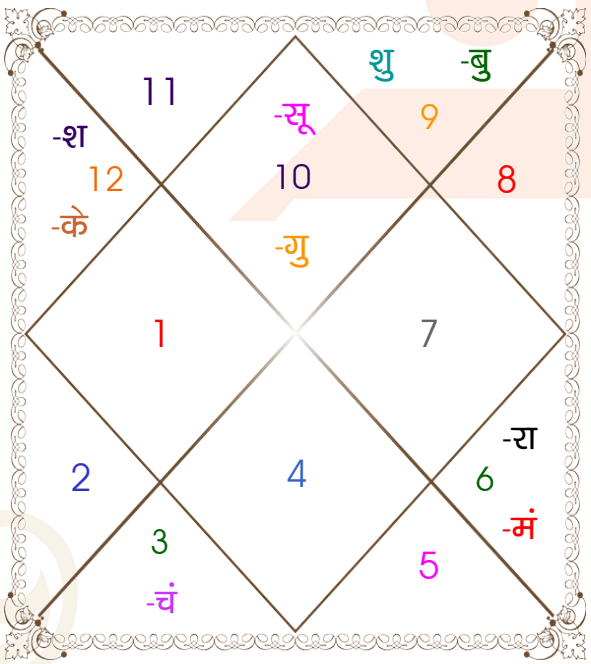

लग्न-चलित

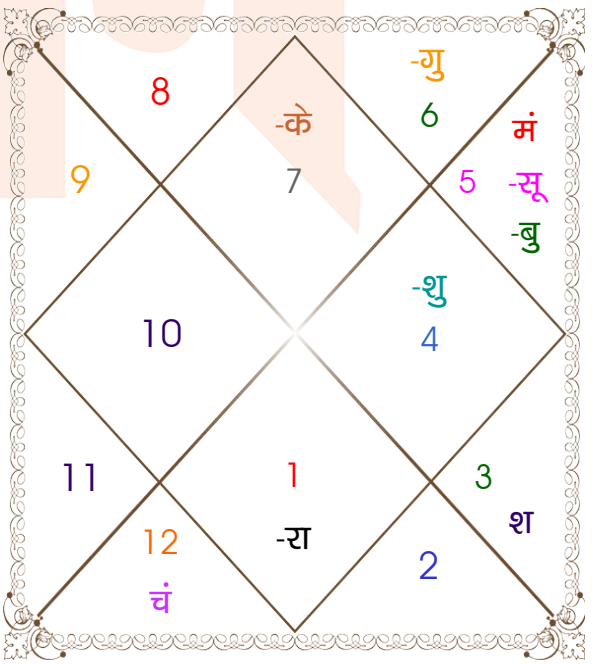

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

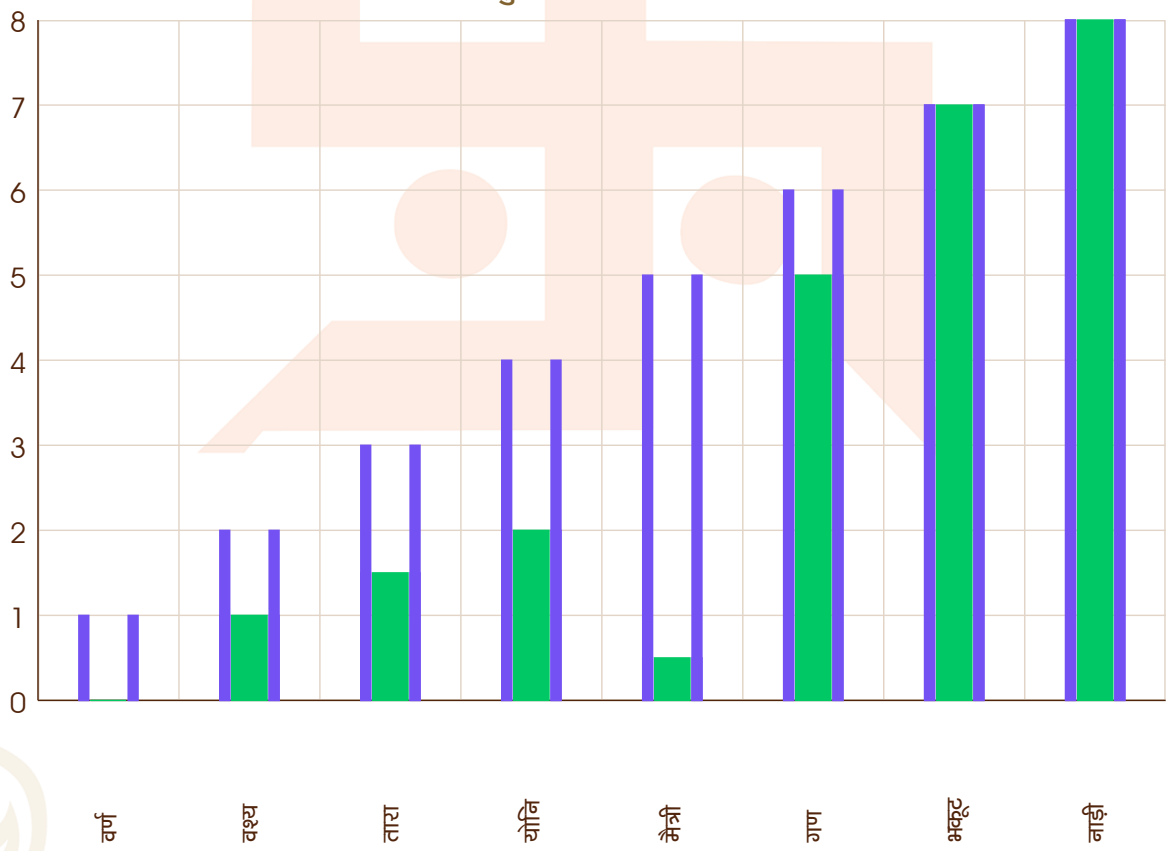

अष्टकूट मिलान

ैबीपद का वर्ग मार्जार है तथा Raunak का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैबीपद और Raunak का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैबीपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Raunak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ैबीपद तथा Raunak में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ँबीपद का वर्ण शूद्र है तथा Raunak का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Raunak का वर्णँबीपद के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Raunak हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ हीँबीपद के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

ँबीपद का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Raunak का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें ँबीपद एवं Raunak दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतःँबीपद Raunak पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकिँबीपद हमेश Raunak के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

ँबीपद की तारा वध तथा Raunak की तारा क्षेम है।ँबीपद की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है।ँबीपद बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है।ँबीपद को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Raunak लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

ँबीपद की योनि श्वान है तथा Raunak की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ँबीपद का राशि स्वामी Raunak के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Raunak का राशि स्वामी ँबीपद के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ँबीपद का गण मनुष्य तथा Raunak का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Raunak सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर ँबीपद व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण ँबीपद अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

ँबीपद से Raunak की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Raunak से ँबीपद की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ँबीपद एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Raunak को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Raunak हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता

करती रहेंगी।

नाड़ी

ैंबीपद की नाड़ी आद्य है तथा Raunak की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। ैंबीपद की आद्य नाड़ी तथा Raunak की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ँबीपद की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन है तथा Raunak की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन है नैसर्गिक रूप से वायु एवं जल के मध्य असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतःँबीपद और Raunak के मध्य स्वभावगत विषमताओं के कारण सम्बंधो में अल्प मधुरता रहेगी तथा दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता रहेगी। अतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

ँबीपद की राशि का स्वामी बुध तथा Raunak की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते है। अतः यह ग्रह स्थिति भी विशेष शुभ एवं अनुकूल नहीं रहेगी। ऐसी स्थिति मेंँबीपद और Raunak परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देगे तथा परस्पर वाद विवाद एवं अशान्ति का वातावरण बनाएगें। इससे पारिवारिक सुख की अनुभूति में व्यवधान रहेगा। अतः बुद्धिमता से कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

ँबीपद और Raunak की राशियाँ परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकुट माना जाता है। इसके प्रभाव सेँबीपद और Raunak में दूरदर्शिता का भाव रहेगा। वे एक दूसरे को स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता आएगी। साथ ही पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्तिमय रहेगा तथा परस्पर सामंजस्य रहेगा।

ँबीपद का वश्य मानव तथा Raunak का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतःँबीपद और Raunak के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानताएं रहेंगी जिससे उनके सम्बंधो में मधुरता का अल्पभाव रहेगा। वे एक दूसरे की कामभावनाओं में को सन्तुष्ट करने में भी असमर्थ रहेंगे।

ँबीपद का वर्ण शूद्र तथा Raunak का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भिन्नता रहेगी।ँबीपद की प्रवृति किसी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी लेकिन Raunak शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो को ही सम्पन्न करेगी।

धन

ँबीपद और Raunak दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ैबीपद की नाड़ी आद्य तथा Raunak की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि सेैबीपद और Raunak का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्तैबीपद और Raunak के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Raunak के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Raunak को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Raunak को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष सेैबीपद और Raunak सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकारैबीपद और Raunak का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Raunak के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Raunak किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Raunak के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Raunak को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Raunak को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Raunak के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी

समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Raunak के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

ैबीपद के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास कोैबीपद अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भीैबीपद के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोणैबीपद के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।